CATALYST COLLEGE
(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
Affiliated to Patliputra University,Patna

कैटलिस्ट कॉलेज में आयोजित हुआ विख्यात वीणा-वादक सलिल भट्ट का कार्यक्रम

कैटलिस्ट कॉलेज तथा स्पीक मैके के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

कैटलिस्ट कॉलेज में छात्रों ने आज भारतीय क्लासिकल संगीत का जमकर लुत्फ उठाया | मौका था कैटलिस्ट कॉलेज तथा स्पीक-मैके द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए संगीतमय कार्यक्रम का | कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण थे विख्यात वीणा-वादक सलिल भट्ट, जिन्होने 'सात्विक वीणा' का आविष्कार भी किया है, जो गिटार तथा पारंपरिक वीणा का मिश्रण है | 'ग्लोबल इंडियन' तथा 'इंटरनेशनल अचिवर्स अवार्ड' तथा कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित पण्डित सलिल भट्ट ने विश्व के विभिन्न देशों, जैसे अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्पेन इत्यादि में अपने एकल वादन का प्रदर्शन किया है |

कार्यक्रम के दौरान पंडित सलिल भट्ट ने छात्रों को भारतीय क्लासिकल संगीत के विभिन्न आयामों पर जानकारी प्रदान की | कार्यक्रम की शुरुआत उन्होने स्वरचित 'विश्वरञ्जनी' राग से की | उन्होने छात्रों को क्लासिकल संगीत के सुर, ताल के बारे में मनोरंजक तरीके से जानकारी प्रदान की | साथ ही, उन्होने छात्रों को वीणा के विभिन्न प्रकारों से अवगत भी कराया | उन्होने एक तार की वीणा, 'एकतारा' से लेकर सौ तार की वीणा 'संतूर' तक की जानकारी प्रदान की | उन्होने छात्रों से कहा कि संगीत देश, जाति और देश की सीमाओं में बंधा नहीं है | यह व्यक्ति को ईश्वर से मिलाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है | भारतीय क्लासिकल संगीत श्रोताओं के केवल कानों तक ही नहीं पहुंचता, बल्कि यह उनके भीतर तक असर डालता है | कार्यक्रम के दौरान तबले पर पण्डित हिमांशु महंत जी ने जबर्दस्त संगत दी और उपस्थित जनसमूह को झूमा दिया |

इसके पूर्व छात्रों ने कलाकारों को पुष्प-गुच्छ देकर तथा तिलक लगाकर स्वागत किया | वहीं इस अवसर पर कैटलिस्ट कॉलेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कलाकारों का स्वागत किया एवं छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि पण्डित सलिल भट्ट का कैटलिस्ट कॉलेज में यह यह दूसरी बार आगमन हैं | इसके पूर्व के वर्षों में भी उन्होने कैटलिस्ट कॉलेज में अपनी कला का प्रदर्शन किया है | भारतीय क्लासिकल संगीत से जुड़े विख्यात कलाकार कॉलेज में छात्रों के बीच अपनी कला का प्रदर्शन करते रहें हैं | उन्होने कहा कि भारतीय क्लासिकल संगीत सुनने से मानसिक शांति मिलती है तथा कंसंट्रेशन बनाने में मदद मिलती है | वही इस अवसर पर स्पीक - मैके के मनीष ठाकुर ने कहा कि छात्रों को भारतीय संगीत को पहले सुनना चाहिए तब इसके बारे में अपनी राय बनानी चाहिए | इसके पूर्व छात्रों ने कलाकारों को पुष्प-गुच्छ देकर तथा तिलक लगाकर स्वागत किया | कार्यक्रम के दौरान कैटलिस्ट कॉलेज की सेंटर हेड मेघा अग्रवाल, डीन नीरज पोद्दार, एच.आर. हेड नेहा वर्मा तथा सभी शिक्षक भी मोजूद थे, जिन्होने कार्यकर का भरपूर आनंद उठाया | कार्यक्रम के अंत में कैटलिस्ट कॉलेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने कलाकारों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया |